दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

मुंबई मे जोरदार बारिश के चलते माहिम मे हाजी अली कि दरगाह के चारो तरफ पानी है जो चौखट तक आ कर रुक जाता है।

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-१ वा | बुधवार २० ऑगस्त २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

सुप्रीम कोर्टने मुस्लिम पर्सनल लॉ कि रौशनी मे १६ साल कि लड़की कि शादी को वैध ठहराया।

नई दिल्ली,(तामीर न्यूज)

१९ अगस्त २०२५: सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में १६ साल की मुस्लिम लड़की की शादी को वैध ठहराया है और इसे बाल विवाह मानने से इनकार किया है। कोर्ट ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की याचिका को खारिज करते हुए पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के २०२२ के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें कहा गया था कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत १६ साल की मुस्लिम लड़की अपनी मर्जी से किसी मुस्लिम पुरुष से शादी कर सकती है।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने सुनवाई के दौरान एनसीपीसीआर को फटकार लगाई और कहा कि आयोग को इस मामले में याचिका दायर करने का कोई अधिकार नहीं है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जब हाई कोर्ट ने जोड़े को सुरक्षा प्रदान की है, तो एनसीपीसीआर इस फैसले को चुनौती नहीं दे सकता।

मामले की पृष्ठभूमि

पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने २०२२ में एक मुस्लिम जोड़े की याचिका पर सुनवाई की थी, जिसमें लड़की की उम्र १६ साल थी और लड़के की उम्र २१ साल से अधिक थी। जोड़े ने अपनी मर्जी से निकाह किया था, लेकिन परिवारों से धमकियां मिलने के कारण उन्होंने सुरक्षा की मांग की थी। हाई कोर्ट ने 'प्रिंसिपल्स ऑफ मोहम्डन लॉ' का हवाला देते हुए कहा था कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार, १५ साल की उम्र पूरी करने पर लड़की को यौन परिपक्वता (प्यूबर्टी) प्राप्त मान लिया जाता है और वह शादी के लिए सक्षम है। इस आधार पर हाई कोर्ट ने शादी को वैध ठहराया और जोड़े को सुरक्षा प्रदान की।

एनसीपीसीआर की दलील

एनसीपीसीआर ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि हाई कोर्ट का यह फैसला बाल विवाह निषेध अधिनियम, २००६ और पॉक्सो एक्ट, २०१२ का उल्लंघन करता है, क्योंकि इन कानूनों के तहत १८ साल से कम उम्र की लड़की की शादी को बाल विवाह माना जाता

है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि यह मामला उम्र पर बहस का नहीं, बल्कि हाई कोर्ट द्वारा दी गई सुरक्षा के फैसले का है। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रेम संबंधों में शामिल किशोरों के मामले को अलग दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

कोर्ट की टिप्पणी

जस्टिस नागरत्ना ने सुनवाई के दौरान सवाल उठाया, जब दोनों ने अपनी मर्जी से शादी की है और हाई कोर्ट ने उन्हें सुरक्षा दी है, तो एनसीपीसीआर बीच में क्यों आ रहा है? कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर हाई कोर्ट ने दो व्यक्तियों को संरक्षण दिया है, तो आयोग यह नहीं कह सकता कि उन्हें सुरक्षा नहीं दी जानी चाहिए।

अन्य याचिकाएं भी खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपीसीआर की तीन अन्य याचिकाओं को भी खारिज कर दिया, जिनमें हाई कोर्ट के इसी तरह के अन्य फैसलों को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत इस तरह के मामलों में कोई कानूनी उल्लंघन नहीं है।

विवाद और भविष्य

यह फैसला एक बार फिर मुस्लिम पर्सनल लॉ और बाल विवाह निषेध अधिनियम के बीच टकराव को उजागर करता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला शादी की न्यूनतम उम्र को लेकर एक समान कानून की आवश्यकता पर बहस को और तेज कर सकता है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी सभी धर्मों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र १८ साल करने की मांग की है, जो सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

बीड में किसानों पर संकट; केंद्र से मदद की मांग

सांसद बजरंग सोनवणेने केंद्रीय मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

बीड/प्रतिनिधि

बीड जिले में पिछले चार दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते जिले के अधिकांश महसूल मंडलों में अतिवृष्टि की नोंद हुई है। खेतों की फसलें पानी में डूबी हुई हैं। दो दिन पहले ही सांसद बजरंग सोनवणे ने खुद खेतों में जाकर नुकसान का जायज़ा लिया था। आज, १९ अगस्त को उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर अतिवृष्टि से संकट में फंसे किसानों को केंद्र सरकार की ओर से मदद देने की मांग की।

अतिवृष्टि से बीड जिले के किसानों पर बड़ा संकट आ पड़ा है। रहने के घर, फसलें, पशुधन, कृषि भूमि और बाग-बगीचों को भारी नुकसान हुआ है। इस नुकसान को ध्यान में रखते हुए किसानों को केंद्र सरकार से तुरंत सहायता मिले,

इसके लिए सांसद सुप्रिया सुले के साथ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर विस्तृत निवेदन सौंपा गया।

पिछले कुछ दिनों से जिले में लगातार और मूसलधार बारिश दर्ज हो रही है, जिससे नदियाँ उफान पर हैं। नदी के किनारों से एक किलोमीटर तक खेत पानी में डूबे हैं। बारिश के कारण फसलों, खेतों और मकानों की दीवारें गिरकर भारी हानि हुई है। केज तहसील के कुछ गांवों में मांजरा नदी का पानी गांवों में घुस गया था, जिससे बड़े पैमाने पर खेतों और फसलों का नुकसान हुआ।

इसके बाद सांसद बजरंग सोनवणे ने अपना पूर्वनियोजित दौरा रद्द कर किसानों के खेतों में जाकर नुकसान का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और किसानों से संवाद कर उन्हें ढांढस बंधाया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री को निवेदन भेजकर पंचनामे करवाने और सहायता देने की मांग की थी। आज १९ अगस्त को केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर केंद्र सरकार की ओर से तुरंत मदद देने की मांग दोहराई।

इस बीच, बीते ४-५ दिनों की लगातार बारिश से बीड जिले में हर जगह फसलों का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। उपजाऊ मिट्टी और जमीन बह जाने से कुछ क्षेत्र आगे के लिए बंजर हो गए हैं। कई जगह मकान ढह गए हैं और पशुधन के हताहत होने की जानकारी भी सामने आई है।

इस पृष्ठभूमि में प्रशासन ने तुरंत पंचनामे करने के निर्देश दिए हैं। सांसद बजरंग सोनवणे ने किसानों और नागरिकों से अपील की है कि हुए नुकसान के फोटो और वीडियो सुरक्षित रखें और नुकसान की शिकायत तहसीलदार को फोटो-वीडियो सहित लिखित रूप में सौंपें। इस प्रक्रिया में किसी भी तरह की अड़चन आने पर उनके कार्यालय से संपर्क कर सहायता लेने का भी उन्होंने आह्वान किया है।

जिले में जारी अतिवृष्टि को लेकर विधायक क्षीरसागर की जिलाधिकारी संग बैठक

नुकसान का पंचनामा और तात्कालिक उपाय करने की प्रशासन से मांग

बीड, १९ (प्रतिनिधि): पिछले कुछ दिनों से पूरे बीड जिले में लगातार बारिश हो रही है। हुई अतिवृष्टि के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। खेतों की फसलों के साथ-साथ पशुधन का भी नुकसान हुआ है। कई जगहों पर गांवों को जोड़ने वाले पुल भी बह गए हैं। इस संदर्भ में विधायक संदीप क्षीरसागर ने जिलाधिकारी विवेक जॉनसन के साथ बैठक कर हुए नुकसान का पंचनामा कर तुरंत राहत और उपाययोजनाएं शुरू करने की मांग जिला प्रशासन से की।

पिछले कुछ दिनों से पूरे राज्य में लगातार बारिश हो रही है। बीड जिले में भी लगातार जोरदार वर्षा दर्ज की गई है। इस अतिवृष्टि से बीड विधानसभा क्षेत्र समेत पूरे जिले की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। साथ ही पशुधन का भी नुकसान हुआ है। कई स्थानों पर गांवों को जोड़ने वाले पुल बह गए हैं। इस संबंध में प्रशासनिक स्तर पर उपाययोजना करने और किसानों के हुए नुकसान का तुरंत पंचनामा करने की मांग विधायक संदीप क्षीरसागर ने की।

शनिवार (१९ अगस्त) को बीड नगर परिषद के कर्मचारी शेख बाबू की दुर्घटनाग्रस्त होकर मृत्यु हो गई। बीड शहर के तेलगांव रोड पर जलजीवन पेयजल आपूर्ति योजना और सड़क का काम चल रहा है। इस सड़क पर केवल एक ही ओर से वाहतूक (ट्रैफिक) जारी है, जिसकी वजह से दुर्घटनाएं हो रही हैं। कुछ दिन पहले भी एक युवक की इसी सड़क पर दुर्घटना में मौत हुई थी और अब एक वरिष्ठ नागरिक की भी जान गई है। इस पृष्ठभूमि में विधायक संदीप क्षीरसागर ने महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण, राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण और नगर परिषद की संयुक्त बैठक लेकर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि भविष्य में किसी नागरिक की जान व्यर्थ न जाए।

ऑरेंज और यलो अलर्ट की पृष्ठभूमि पर नागरिकों और प्रशासन को सतर्क रहने का विभागीय आयुक्त का आह्वान

छत्रपति संभाजीनगर, १८ अगस्त (विभागीय माहिती कार्यालय): भारतीय मौसम विभाग, मुंबई द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार १८ अगस्त २०२५ को छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड़ और लातूर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट तथा परभणी, हिंगोली, नांदेड़ और उस्मानाबाद जिलों के लिए यलो अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं १९ अगस्त २०२५ को उस्मानाबाद को छोड़कर सभी जिलों के लिए यलो अलर्ट घोषित किया गया है। इस पृष्ठभूमि पर नागरिकों और प्रशासन को सतर्क रहने का आह्वान विभागीय आयुक्त जितेंद्र पापळकर ने किया है।

मुख्यमंत्री ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि हुए नुकसान का सही तरीके से पंचनामा कर शासन को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। पर्यटन स्थल, झरने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और आवश्यक सावधानियां बरते। जिलाधिकारी संभावित बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए जिले की सभी शासकीय एवं निजी शालाओं की छुट्टी पर निर्णय लें। विस्थापित नागरिकों के राहत शिविरों में आवश्यक सुविधाएँ, भोजन और चिकित्सकीय सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। नागरिक नदी, नाले, बांध और धरण क्षेत्रों में जाने से बचें, प्रशासन की सूचनाओं का पालन करें तथा अफवाहों पर विश्वास न कर केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें।

छत्रपति संभाजीनगर विभाग में आज ३२.३० मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है और विभाग के ५७ मंडलों में अतिवृष्टि हुई है। १४ अगस्त २०२५ से १८ अगस्त २०२५ तक हुई अतिवृष्टि के प्राथमिक आँकड़ों के अनुसार विभाग के कुल १००४ गांव प्रभावित हुए हैं। इसमें १ व्यक्ति घायल तथा ६ व्यक्तियों की मृत्यु (हिंगोली-१, नांदेड़-३, बीड़-२) हुई है। कुल २०५ मवेशियों की मृत्यु (दूध देने वाले बड़े-६९, दूध देने वाले छोटे-१०२, बोझा ढोने वाले बड़े-२८, बोझा ढोने वाले छोटे-६) दर्ज की गई है। आंशिक रूप से ढह गए घरों की संख्या ४८६ है।

खेती की फसलों की प्राथमिक नुकसान रिपोर्ट के अनुसार कुल ३,२९,५०९ किसान प्रभावित हुए हैं और २,८०,८६१.०२ हेक्टेयर क्षेत्र (जिरायत-२,७२,५०७.०२, बागायत-८,१५८, फलों की फसल-१९६ हेक्टेयर) का नुकसान हुआ है।

सभी तंत्रों को सतर्क रहने के निर्देश, नुकसान का तुरंत पंचनामा करें-मुख्यमंत्री

जमीर काज़ी, मुंबई

राज्य में अतिवृष्टि से उत्पन्न हालात पर नियंत्रण के लिए सभी तंत्रों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। जनहानि, पशुधन और मकानों के नुकसान के लिए तत्काल राहत देने की ज़िम्मेदारी संबंधित जिलाधिकारियों को सौंपी गई है। खेती के नुकसान का भी तुरंत पंचनामा किया जाए और एनडीआरएफ के मापदंडों के अनुसार मुआवज़ा देने की कार्यवाही हो, ऐसे निर्देश मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को दिए।

मंत्रिमंडल बैठक में राज्य की स्थिति पर चर्चा करते हुए फडणवीस ने कहा कि राज्य में लगभग १२ से १४ लाख एकड़ क्षेत्र की फसलें प्रभावित हुई हैं। बारिश का जोर अभी भी जारी है। इसलिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आपदा प्रबंधन की विभिन्न यंत्रणाओं को सतर्क और समन्वय में रहने के आदेश दिए गए हैं। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर राज्य के नागरिकों को हर तीन घंटे में सतर्कता (अलर्ट) जारी किए जा रहे हैं।

नांदेड़ जिले में बादल फटने जैसी स्थिति बनी, जिसमें आठ लोगों की मृत्यु होने की प्राथमिक जानकारी मिली है। राज्य के सभी आपदा नियंत्रण कक्षों को सतर्क रहने और सूचना के आदान-प्रदान के लिए समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पड़ोसी राज्यों से भी समन्वय

राज्य में बारिश का जोर अधिक है। इसलिए विभिन्न प्रकल्पों (बांधों) से होने वाले पानी के विसर्ग (छोड़ने) पर नियंत्रण रखा जा रहा है। इसके लिए पड़ोसी राज्यों से भी समन्वय किया जा रहा है। उन राज्यों की ओर से भी सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। विशेष रूप से हिप्परगी से अधिक पानी छोड़ा जाए, इसके लिए संपर्क किया गया है। तेलंगाना के जलसंपदा विभाग से भी समन्वय साधा जा रहा है।

मुंबई की स्थिति पर निरंतर नजर

अतिवृष्टि का सबसे अधिक असर मुंबई महानगर पर हुआ है। कल से लगातार बारिश हो रही है और आज कुछ घंटों में ही अतिवृष्टि के मानक से अधिक वर्षा दर्ज हुई। कई निचले इलाकों में पानी भर गया। लेकिन मुंबई महापालिका और राज्य की सभी यंत्रणाएँ समन्वय से काम कर रही हैं। लोकल ट्रेन सेवा कुछ घंटों तक बाधित रही। इस पूरी स्थिति पर नियंत्रण के लिए सभी तंत्र पूरी ताकत से कार्यरत हैं। मुंबई शहर में एहतियात के तौर पर कार्यालयों में भी छुट्टी घोषित की गई।

बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव क्षेत्र के कारण वसई और पालघर में पहले से ही रेड अलर्ट जारी किया गया था। इस कम दबाव के कारण अतिवृष्टि होना तय था। लेकिन कहाँ और कितनी बारिश हो रही है, इसकी जानकारी देने के लिए हर तीन घंटे पर अलर्ट जारी करने की व्यवस्था की गई है।

मिठी नदी से गाद निकालने में लापरवाही

राज्य की कई नदियों के कैचमेंट क्षेत्रों में जोरदार बारिश हो रही है, जिसके कारण कुछ नदियाँ चेतावनी स्तर तक पहुँच गई हैं। मुंबई में मिठी नदी ने खतरे का स्तर पार कर लिया था। इस वजह से लगभग ४०० लोगों का सुरक्षित स्थानों पर विस्थापन करना पड़ा। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

मुंबई शहर की स्थिति पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नजर रखे हुए हैं। उन्होंने मिठी नदी क्षेत्र का दौरा भी किया। उन्होंने स्वीकार किया कि मिठी नदी से गाद निकालने में लापरवाही हुई है और अब इस बारे में चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। इस पर मुंबई महापालिका को फिर से गाद निकालने की कार्रवाई करनी होगी, ऐसा उन्होंने कहा।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

महाराष्ट्र में ४२,८९२ करोड़ की निवेश, २५,८९२ रोजगार का सृजन

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में १० सामंजस्य करार

जमीर काज़ी, मुंबई

महाराष्ट्र अब डेटा सेंटर कैपिटल और सौर ऊर्जा एकीकरण कैपिटल के रूप में उभर रहा है और उत्पादन क्षेत्र में भी बड़ी क्रांति होने वाली है। ब्रिटेन (यूके) के साथ हुए रणनीतिक करार के चलते भारत में अधिक निवेश आ रहा है। आज विभिन्न निवेशों के लिए ८ सामंजस्य करार और २ रणनीतिक करार किए गए, जिनसे राज्य में कुल ४२ हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और २८ हजार से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे, ऐसा प्रतिपादन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को किया।

आज मंत्रालय के समिति कक्ष में उनकी उपस्थिति में इन १० करारों का आदान-प्रदान किया गया। इस अवसर पर निवेशकों से बोलते हुए फडणवीस ने कहा कि निवेशकों ने बेहद ठोस और सकारात्मक प्रतिबद्धता दिखाई है। महाराष्ट्र में निवेश सुचारु रूप से हो, इसके लिए शासन की पूरी टीम शुरुआत से लेकर

अंत तक आपके साथ काम करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि हाइपरलूप प्रकल्प को भी गति मिल रही है और अब आईआईटी मुंबई तथा आईआईटी मद्रास की मदद से यह प्रकल्प आगे बढ़ रहा है। लॉजिस्टिक, परिवहन और मोबिलिटी क्षेत्र में यह प्रकल्प न सिर्फ राज्य में बल्कि पूरे देश में आमूलाग्र परिवर्तन लाने वाला है।

८ सामंजस्य करार और २ रणनीतिक करार

ज्युपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड – सोलर पैनल निर्माण हेतु १०,९०० करोड़ का निवेश।
८,३०८ रोजगार सृजन।

रोचक सिस्टम्स प्रा.लि. – डेटा सेंटर हेतु २,५०८ करोड़ का करार।
१,००० रोजगार सृजन।

रोव्हिसन टेक हब प्रा.लि. – डेटा सेंटर क्षेत्र हेतु २,५६४ करोड़ का निवेश।
१,१०० रोजगार सृजन।

वॉव आयरन एंड स्टील प्रा.लि. – पोलाद उद्योग हेतु ४,३०० करोड़ का करार।
१,५०० रोजगार सृजन।

वेबमिंट डिजिटल प्रा.लि. – डेटा सेंटर हेतु ४,८४६ करोड़ का निवेश।
२,०५० रोजगार सृजन।

एटलास्ट कॉपको – औद्योगिक उपकरण क्षेत्र हेतु ५७५ करोड़ का निवेश।
३,४०० रोजगार सृजन।

एलएनके ग्रीन एनर्जी – हरित ऊर्जा क्षेत्र हेतु ४,७०० करोड़ का निवेश।
२,५०० रोजगार सृजन।

प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स लि. – डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक सेंटर और रियल एस्टेट हेतु १२,५०० करोड़ का निवेश।
८,७०० रोजगार सृजन।

इसके अतिरिक्त, ग्लोबल इंडिया बिज़नेस कॉरिडोर ने महाराष्ट्र में यूके और यूरोप से निवेश आकर्षित करने के लिए सहयोग करने का करार किया है। वहीं टीयूटीआर हाइपरलूप प्रा.लि. ने जेएनपीटी और वधावन बंदर पर अत्याधुनिक परिवहन व्यवस्था खड़ी करने के संबंध में करार किया है।

क्या आप चाहेंगे कि मैं ऐसे आर्थिक निवेश और रोजगार से जुड़े अनुवाद आपके लिए न्यूज़ आर्टिकल के हिंदी पत्रकारिता शैली में नियमित रूप से तैयार कर दूँ?

बार्शीनाका रेलवे स्टेशन का काम शीघ्र शुरू किया जाए-खुर्शीद आलम

उपमुख्यमंत्री ने रेलवे स्टेशन कृती समिति का निवेदन ध्यानपूर्वक पढ़ा

बीड (प्रतिनिधि):

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री तथा बीड के पालकमंत्री अजित दादा पवार १५ अगस्त के अवसर पर बीड दौरे पर आए थे। इस दौरान बार्शीनाका रेलवे स्टेशन कृती समिति के शिष्टमंडल ने उनसे मुलाकात कर निवेदन सौंपा।

निवेदन में कहा गया है कि बीड का रेलवे स्टेशन पहले से ही बार्शीनाका इमामपुर रोड, प्रकाश आंबेडकर नगर पर स्वीकृत था, लेकिन स्टेशन का निर्माण पालवन में, यानी बीड शहर से लगभग ७-८ किलोमीटर दूर किया गया है। इससे आम जनता को काफी असुविधा हो रही है।

निवेदन में आगे बताया गया कि-

पालवन रेलवे स्टेशन से नगर जाने के लिए करीब ५० रुपये का खर्च आता है, जबकि बीड शहर से पालवन स्टेशन तक पहुंचने में १०० से १५० रुपये खर्च हो जाते हैं।

पालवन स्टेशन आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक नहीं है।

इसलिए बार्शीनाका इमामपुर रोड पर ही रेलवे स्टेशन का काम तुरंत शुरू किया जाए।

समिति ने तर्क दिया कि बार्शीनाका से किसानों और नागरिकों को नया और पुराना मोंढा, कृषि उत्पन्न बाजार समिति, एमआईडीसी, साप्ताहिक बाजार, आढ़त मार्केट, बस स्टैंड, जिलाधिकारी कार्यालय, तहसील कार्यालय, समाज कल्याण कार्यालय, जिला अस्पताल, एसपी ऑफिस, जिला न्यायालय, सरकारी डेयरी, महिला अस्पताल, जिला खेल मैदान और लगभग ९५% स्कूल-कॉलेज आसानी से सुलभ हैं। साथ ही चारों दिशाओं से नेशनल हाईवे होने से यहां ट्रैफिक की भी कोई समस्या नहीं होगी।

विशेष बात यह है कि बार्शीनाका इमामपुर रोड स्टेशन के लिए रेलवे बोर्ड पहले ही भूमि खरीद चुका है और चार बड़ी इमारतें भी तैयार कर दी गई हैं। ऐसे में बहुत कम खर्च में यहां स्टेशन बनाया जा सकता है।

इसलिए समिति ने आग्रह किया कि बार्शीनाका इमामपुर रोड पर रेलवे स्टेशन (रेलवे ठहराव) का काम शीघ्र प्रारंभ किया जाए।

निवेदन को उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने ध्यानपूर्वक पढ़ा। इस मौके पर संपादक गम्मतभाऊ भंडारी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में कृती समिति के कार्याध्यक्ष खुर्शीद आलम के नेतृत्व में गोरख शिंगण, नगरसेवक अमोल पाऊड, शेख अखील भाई, शनेश्वर गायकवाड़, शेख यूनुस भाई सहित कई मान्यवर उपस्थित थे।

मोनोरेल मुंबई: २०० से अधिक यात्रियों का रेस्क्यू

मुंबई, १९ अगस्त (यूएनआई):

मंगलवार शाम मुंबई में एक मोनोरेल ट्रेन, जिसमें कम से कम २०० यात्री सवार थे, बिजली आपूर्ति में खराबी के कारण मैसूर कॉलोनी और भक्ति पार्क स्टेशन के बीच रुक गई। इस वजह से ट्रेन में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए एक घंटे से अधिक समय तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

मुंबई के अतिरिक्त नगर आयुक्त अश्विनी जोशी ने बताया कि मोनोरेल में फंसे २०० से अधिक यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और बचाव अभियान अभी भी जारी है।

यात्रियों ने बताया कि ट्रेन के अंदर भय और अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। ऊंचे ट्रैक पर रुकी इस ट्रेन में एसी सिस्टम बंद हो जाने से कई लोगों को घुटन महसूस होने लगी थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि किसी को घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना की जांच कराई जाएगी।

उन्होंने लिखा -

किसी तकनीकी कारण से एक मोनोरेल चेंबूर और भक्ति पार्क के बीच फंस गई है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए), फायर ब्रिगेड और नगर निगम-सभी एजेंसियां मौके पर पहुंच चुकी हैं। सभी यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कुरआन - ए- पाक अल्लाह तआला से अवतरित वह किताब है,जो सारी दुनिया कि फलाह व बहबूद कि ताकत रखती है-मदरसा तजवीदूल कुरआन ,दिल्लीमे योमे आज़ादी परचम कुशाई के मौके पर हाजी शेख अब्दुल करीम का ख़िताब.

नई दिल्ली (प्रेस रिपोर्टर):- कुरआन -ए- पाक,अल्लाह तआला कि तरफ से आक़ाए दो जहाँ हज़रत मुहम्मद

(सल -अम) पर नाज़िल (अवतरित) वह किताब है जो सारे आलम मे अमन व शांति क़ायम करने कि ताकत रखती है

और हज़रत मुहम्मद (सल -अम) सारी दुनिया के लिए रहमतुल् लील आलमीन है, जगत गुरु है, ऐसी ईमान अफ़रोज़ कलेमात मौलाना आज़ाद एजुकेशन फाउंडेशन, अल्प संख्यक कार्य मंत्रालय,भारत सरकार के पूर्व सदस्य

हाजी शेख अब्दुल करीम नें मदरसा तजवीदुल कुरआन,शिवाजी नगर, आज़ाद मार्किट,दिल्ली -६ मे योमे आजादी के मौके पर परचम कुशाई के मौके पर अदा किये.

मदरसे के बानी (संस्थापक) हज़रत मौलाना कारी महमूदल हसन साहब और

आएमा मसाजिद के कुलहिंद

सदर मा. डॉ उमैर अहमद इल्यासी जी कि सरपरसती मे आयोजित (मुनकदा)

प्रोग्राम मे वे बोल तहे थे.

मदरसे कि परचम कुशाई मा.डॉ उमैर इलियासी जी के दस्त मुबारक सेऔर तमाम मुआज़ीज़ मेहमानान कि मौजूदगी मे कि गई.डॉ उमैर इल्यासी जी नें यामाम तुलबा कि रहनुमाइ की.

हाजी शेख अब्दुल करीम नें आगे कहा कि हज़रत मुहम्मद (सल -अम) सिर्फ मुसलमानो के लिए नहीं सारे आलम के लिए रहमतुल् लील आलमीन है जगत गुरु है.

मदरसा के तुलबा (विद्यार्थियों नें) उर्दू के साथ अंग्रेजी मे बेहतरीन अंदाज़ मे तक़ारीर कि इस के लिए उन्हे मुबारकबाद दी और मदरसा मे दसवीं जमात तक कि क्लासेस शुरू करने का

इरादा बानी मदरसा कारी मेहमूदल हसन क़िब्ला नें किया है उस के लिए ख़ुशी का इज़हार

किया,साथ हीं यौमे आज़ादी के शहीदों को याद करते हुए जोर देकर कहा कि

वतन कि आजादी इन शहीदों कि देन है

और यह बात भी कही के हमारे प्यारे मुल्क हिंदुस्तान को आज़ाद कराने मे हिन्दू,मुसलमान, सिख, ईसाई सभी कि क़ुर्बानिया शामिल है.यह जोर देकर कहा.

प्रोग्राम के संयोजक जाहेद हुसैन नें प्रोग्राम को कामियाब करने के बड़ी मेहनत की. मेमाने क़िराम मे वरिष्ठ नेता मोहम्मद आक़िल कुरैशी के साथ बड़ी तादाद मे मिल्लत के जुम्मेदारन नें शिरकत की.

क़ाज़ी फ़िरोज़ आलम साहब के इज़हारे तशक्कूर के साथ प्रोग्राम का इखयेमाम हुआ.

अहिल्यादेवी होळकर अध्यापक महाविद्यालय में शुरू हुआ एम.ए. शिक्षा शास्त्र पाठ्यक्रम

गेवराई (काज़ी अमान):

जगदंबा शिक्षण प्रसारक मंडल बीड संचालित पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर अध्यापक महाविद्यालय, शिवाजीनगर गढ़ी को यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय ने एम.ए. शिक्षा शास्त्र (एम.एड. समकक्ष) अध्ययन केंद्र शुरू करने की अनुमति प्रदान की है। इसी के साथ संस्थान की ओर से इच्छुक विद्यार्थियों से प्रवेश लेने की अपील की गई है।

शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ से यह नया एम.ए. शिक्षा शास्त्र (एम.एड. समकक्ष) पाठ्यक्रम यहाँ प्रारंभ होगा। इस शैक्षणिक संकुल में पहले से ही राजमाता जिजाऊ डी.एड. कॉलेज, क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले डी.एड. कॉलेज, ताराराणी डी.एड. कॉलेज संचालित हैं। साथ ही डी.एड. और बी.एड. महाविद्यालय पहले से कार्यरत हैं। अब लंबे प्रयासों के बाद जगदंबा शिक्षण संस्थान को एम.एड. (समकक्ष) पाठ्यक्रम की मान्यता प्राप्त हुई है।

इस उपलब्धि के लिए शैक्षणिक जगत की ओर से जगदंबा शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष शिवाजीराव पंडित, अध्यक्ष अमरसिंह पंडित, सचिव जयसिंह पंडित और विधायक विजयसिंह पंडित के प्रति आभार व्यक्त किया जा रहा है।

प्रवेश के लिए अध्ययन केंद्र क्रमांक २२१७० निर्धारित किया गया है। प्रवेश हेतु बी.एड. की डिग्री अनिवार्य है और सेवाकालीन शिक्षक भी आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे शीघ्र ही अपना प्रवेश सुनिश्चित करें। यह आवाहन केंद्र संचालक डॉ. अर्जुन मासाळ ने किया है।

एमएससी एम्ब्रायोलॉजी में शेख जाफ़र सुलतान विशेष प्रावीण्य से उत्तीर्ण

माता-पिता के परिश्रम का सार्थक प्रतिफल-एस.एम.यूसुफ़

बीड (प्रतिनिधि):

वैद्यकीय क्षेत्र के एमएससी एम्ब्रायोलॉजी की अंतिम वर्ष की परीक्षा में शेख ज़ाफ़र सुलतान ने विशेष प्रावीण्य (विशेष योग्यता) के साथ सफलता प्राप्त कर अपनी बैच में पहला स्थान हासिल किया है। इस शानदार उपलब्धि से उन्होंने अपने माता-पिता के अथक परिश्रम का सपना साकार कर दिखाया है। यह भावुक विचार उनके मामा व वरिष्ठ पत्रकार एस.एम. यूसुफ़ ने व्यक्त किए।

शेख ज़ाफ़र सुलतान ने प्राथमिक शिक्षा से लेकर एमएससी एम्ब्रायोलॉजी तक हर स्तर पर विशेष प्रावीण्य के साथ सफलता प्राप्त की है। चाहे दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षा हो या अन्य प्रतियोगी परीक्षाएँ, उन्होंने हमेशा श्रेष्ठता बनाए रखी। इसी कड़ी में इस वर्ष भी उन्होंने नागपुर के दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ़ हेल्थ एंड रिसर्च से एमएससी एम्ब्रायोलॉजी की पढ़ाई करते हुए अंतिम वर्ष में अपनी पूरी बैच में पहला स्थान प्राप्त किया। उन्हें कुल ७०० में से ५६५ अंक हासिल हुए। इस असाधारण सफलता के साथ उन्होंने न केवल अपनी शैक्षणिक यात्रा को ऊँचाइयों तक पहुँचाया बल्कि माता-पिता के कठिन परिश्रम का भी गौरवपूर्ण प्रतिफल दिया। अब वे समर्थ हॉस्पिटल टेस्ट ट्यूब बेबी एंड आईवीएफ सेंटर, गोंदिया में स्वतंत्र रूप से कार्यरत हैं।

मामा एस.एम. यूसुफ़ ने उनके इस दैदीप्यमान (उज्ज्वल) यश के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएँ दीं। शेख ज़ाफ़र सुलतान की यह उपलब्धि सिर्फ उनके परिवार या बीड जिले के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। आज के युवा अगर परिश्रम, अनुशासन और निरंतरता से आगे बढ़ें, तो किसी भी क्षेत्र में शीर्ष स्थान पाना संभव है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि सपनों को साकार करने के लिए परिश्रम और समर्पण ही असली मंत्र है।

बीड शहर की सड़कों का बुरा हाल: क्षीरसागर बंधुओं समेत स्थानीय नेता लगे श्रेय, श्रेय लेने से बेहतर है विकास दिखाना -ॲड.शेख शफीक

बीड (प्रतिनिधि):

बीड शहर की सड़कों की खस्ता हालत से नागरिक त्रस्त हैं। इसी बीच स्थानीय नेताओं और क्षीरसागर बंधुओं पर श्रेय लेने की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए पूर्व - एमआयएम बीड जिला अध्यक्ष एडवोकेट शफीक भाऊ ने तीखी नाराज़गी जताई है। उन्होंने सीधे सवाल उठाया कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा बीड के विकास हेतु दिए गए १०० करोड़ रुपये का फंड वास्तव में विकास के लिए इस्तेमाल होगा या नेताओं के राजनीतिक स्वार्थ के लिए? साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील की कि आने वाले स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव में बीडकरों को ऐसे नेताओं को सबक सिखाना चाहिए।

१०० करोड़ के फंड पर प्रश्नचिन्ह

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बीड के विकास के लिए १०० करोड़ रुपये का फंड घोषित किया है। इसमें सड़कों, नालों और शहर के सौंदर्यीकरण के लिए लगभग १० करोड़ शामिल बताए जा रहे हैं। लेकिन शफीक भाऊ ने इस फंड को लेकर शंका जताते हुए कहा - नगर परिषद में अब तक सत्ता रही, पर विकास दिखाई नहीं दिया। अब यह फंड भी अगर सिर्फ़ राजनीतिक लाभ और व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए इस्तेमाल होगा, तो जनता के साथ फिर धोखा होगा। चुनावी पृष्ठभूमि में तीखी आलोचना आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव के चलते बीड का राजनीतिक माहौल गरम हो चुका है। शफीक भाऊ ने क्षीरसागर बंधुओं पर विकास कार्यों में अड़ंगा डालने और केवल श्रेय लेने का आरोप लगाते हुए बीडकरों से आवाहन किया कि अब जनता को इन नेताओं को चुनाव में उनकी असली जगह दिखानी होगी और वास्तविक विकास को बढ़ावा देना होगा। नागरिकों का आक्रोश और उम्मीदें बीड शहर की सड़कें बदहाल होने से नागरिकों का गुस्सा चरम पर है। फंड मंजूर होते हैं, लेकिन काम क्यों नहीं होता? नेता सिर्फ़ घोषणाएँ करते हैं, जमीनी स्तर पर कुछ बदलता नहीं, ऐसी नाराज़गी नागरिकों ने जाहिर की है। इससे पहले भी बीड शहर की सड़कों के लिए ७० करोड़ और ज़िले की सड़कों के लिए २५१ करोड़ रुपये मंजूर हुए थे, लेकिन उसका प्रत्यक्ष परिणाम आज तक दिखाई नहीं दिया।

होळ में पूर्व विशेष पुलिस महानिरीक्षक अंकुशराव शिंदे का सेवापूर्तिनिमित्त सम्मान

भव्य शोभायात्रा एवं नागरी सत्कार; राजस्थान के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति संभाजीराव शिंदे की विशेष उपस्थिति

केज (प्रतिनिधि), १८ अगस्त:

तालुक्यातील होळ के सुपुत्र और राज्य के वीआईपी सुरक्षा विभाग के पूर्व विशेष पुलिस महानिरीक्षक अंकुशराव शिंदे हाल ही में सेवानिवृत्त हुए। उनके कार्य का गौरव करने हेतु रविवार (१७ अगस्त) सुबह ११ बजे होळ के हनुमान मंदिर में सेवापूर्ती सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने भव्य शोभायात्रा काढ कर उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

समारोह में राजस्थान के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति संभाजीराव शिंदे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच अश्विनीताई शिंदे ने की। प्रमुख अतिथियों में मांजरा शुगर फैक्ट्री के पूर्व कार्यकारी संचालक दत्ता शिंदे, पूर्व सरकारी वकील ॲड. प्रकाश शिंदे, पुणे सीआईडी के पूर्व पुलिस उपअधीक्षक दीपक शिंदे, केंद्रप्रमुख रमेश कांबळे, पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्ञानोबा सरवदे, बारामती एग्रो के प्रबंधक अंकुश ढवारे, मुख्याध्यापक धर्मराज शिंदे, हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. नवनाथ घुगे एवं डॉ. गणेश ढवारे शामिल थे।

इस अवसर पर सभी मान्यवरों का

ग्रामवासियों की ओर से दांपत्य सत्कार किया गया। ग्रामस्थों की पहल पर आयोजित इस समारोह को नागरिकों ने उत्स्फूर्त प्रतिसाद देते हुए बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर सफल बनाया। होळ गाँव के दो उच्चपदस्थ अधिकारियों का हुआ यह गौरव समारोह ग्रामवासियों के लिए गर्व का क्षण सिद्ध हुआ। जिले के राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्र के कई मान्यवर भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com